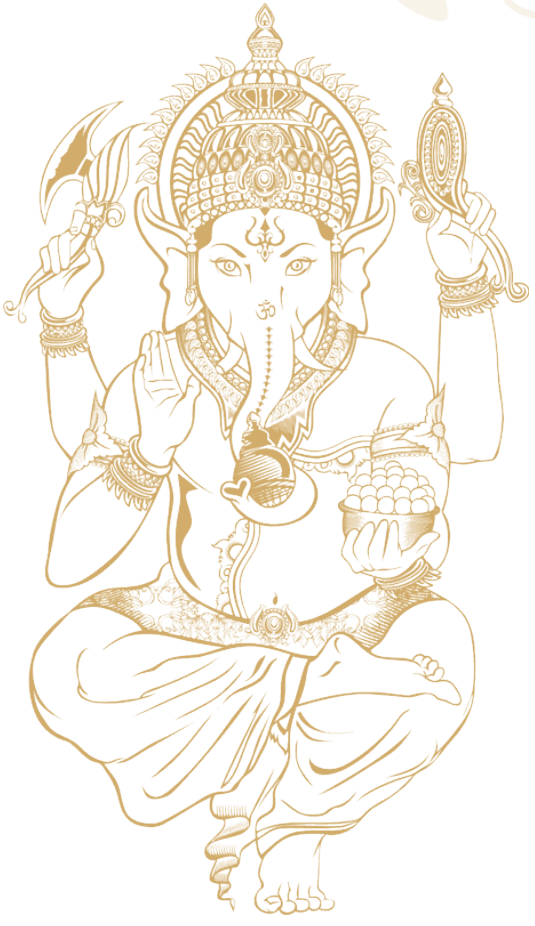

Suman patra

Barnali bug

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120910003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/12/1998	जन्म तिथि	23/09/2004
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 15:56:00	जन्म समय	13:15:00 घंटे
घटी 24:17:35	जन्म समय(घटी)	19:32:37 घटी
India	देश	India
Haora	स्थान	Haora
22:36:00 उत्तर	अक्षांश	22:36:00 उत्तर
88:18:00 पूर्व	रेखांश	88:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:12	स्थानिक संस्कार	00:23:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:58	सूर्योदय	05:25:57
16:57:38	सूर्यास्त	17:31:54
23:50:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:14

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 9मा 17दि	22:56:43	वृष	लग्न	धनु	21:51:15	सूर्य 5वर्ष 0मा 29दि
राहु	06:31:14	धनु	सूर्य	कन्या	06:42:06	मंगल
09/10/2010	16:56:16	मक	चंद्र	धनु	28:42:28	24/10/2019
08/10/2028	19:41:45	कन्या	मंगल	कन्या	04:06:14	23/10/2026
राहु 21/06/2013	15:06:32	वृश्चि	बुध	सिंह	26:25:39	मंगल 21/03/2020
गुरु 15/11/2015	26:48:41	कुंभ	गुरु	कन्या	05:41:11	राहु 08/04/2021
शनि 21/09/2018	19:32:41	धनु	शुक्र	कर्क	24:10:09	गुरु 15/03/2022
बुध 09/04/2021	02:58:35	मेष व	शनि	कर्क	01:32:29	शनि 24/04/2023
केतु 28/04/2022	29:25:30	कर्क व	राहु व	मेष	08:38:50	बुध 20/04/2024
शुक्र 27/04/2025	29:25:30	मक व	केतु व	तुला	08:38:50	केतु 16/09/2024
सूर्य 22/03/2026	16:38:20	मक	हर्ष व	कुंभ	09:53:08	शुक्र 16/11/2025
चन्द्र 21/09/2027	06:53:06	मक	नेप व	मक	18:56:44	सूर्य 24/03/2026
मंगल 08/10/2028	14:55:49	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:46:22	चन्द्र 23/10/2026

लग्न-चलित

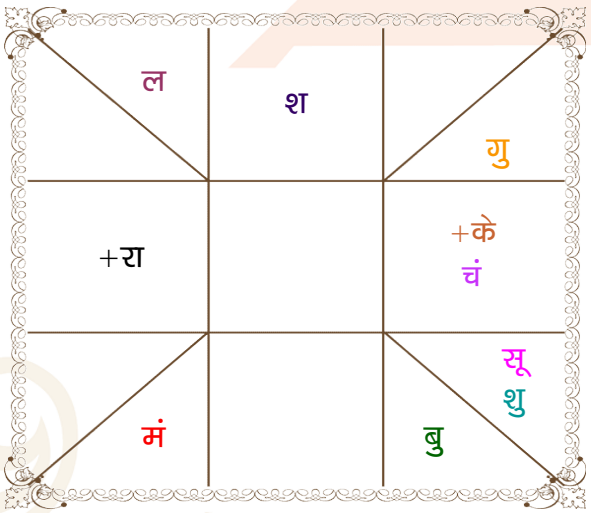

लग्न-चलित

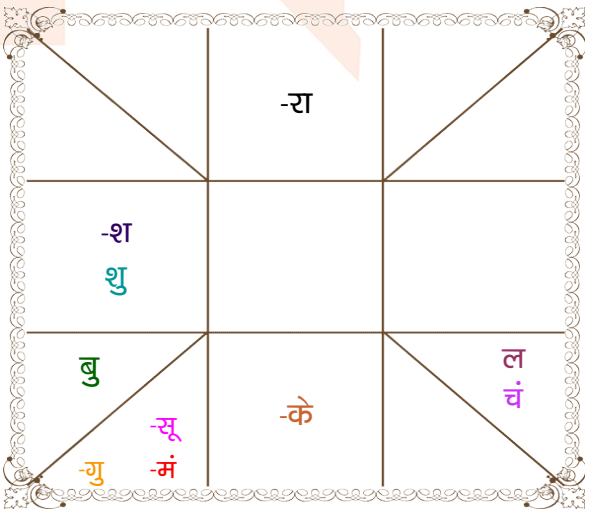

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि नउंद चंजतं का नक्षत्र श्रवण है।

नउंद चंजतं का वर्ग मार्जार है तथा ठंतदंसप इनह का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार नउंद चंजतं और ठंतदंसप इनह का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

नउंद चंजतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ठंतदंसप इनह मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

नउंद चंजतं तथा ठंतदंसप इनह में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।